CMYK

Website : www.highwaychannel.in

छत्तीसगढ़ का सर्वाधिक प्रसारित शाम का अखबार

हाईवे चैनल

▫ वर्ष- 29 ▫ अंक- 130 ▫ रायपुर, बुधवार 3 जून 2026 ▫ पृष्ठ-8 ▫ मूल्य- 2.50 रुपया • रायपुर • जगदलपुर से प्रकाशित RNI रजिस्ट्रेशन नं. 68139/98

दिल्ली के रेस्टोरेंट में आग लगने से 21 की मौत

प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री ने जताया दुख, मुआवजे का ऐलान

नई दिल्ली, 3 जून (न्यूज चैनल)। आज बुधवार सुबह दिल्ली के मालवीय नगर इलाके में एक रेस्तरां में भीषण आग लगने से कम से कम 21 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। यह घटना दक्षिण दिल्ली के हौज रानी इलाके में स्थित बहुमंजिला लेमन ग्रीन रेस्तरां में हुई और अधिकारियों के अनुसार, मृतकों में से अधिकांश विदेशी नागरिक थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली में लगी आग पर शोक व्यक्त किया। प्रधानमंत्री कार्यालय से जारी एक बयान में कहा गया कि दिल्ली के मालवीय नगर में लगी आग में हुई जानमाल की हानि बेहद दुखद है। मृतकों के परिजनों के प्रति मेरी गहरी संवेदना है। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। अधिकारी प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता प्रदान कर रहे हैं।

37 लोगों को बचाया गया

बयान में आगे कहा गया कि प्रत्येक मृतक के परिजनों को पीएमएनआरएफ से 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएंगे। इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मृतकों पर दुख व्यक्त किया और कहा कि सरकार स्थिति पर कड़ी नजर रख रही है। एक्स पर एक पोस्ट में गुप्ता ने कहा कि आग लगने की सूचना मिलते ही दिल्ली अग्निशमन सेवा, दिल्ली पुलिस, दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) और सीएटीएस एम्बुलेंस सेवा की आपातकालीन टीमों को मौके पर भेजा गया। तड़के तड़के रेस्तरां में आग लग गई, जिसके चलते कई लोग इमारत के अंदर फंस गए। दमकलकर्मी तुरंत मौके पर पहुंचे और आग में फंसे लोगों को निकालने के लिए बचाव कार्य शुरू किया। दमकल अधिकारी एके मलिक ने बताया, दमकल विभाग को सुबह 8.50 बजे सूचना मिली। शुरुआत में सात दमकल गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। और गाड़ियां रास्ते में थीं, लेकिन आखिरकार सभी आवश्यक गाड़ियां पहुंच गईं। हमारी टीम के पहुंचते ही उन्होंने इमारत से 37 लोगों को तुरंत बचाया। यह एक बहुमंजिला इमारत है। उन्होंने बताया कि इसमें एक तहखाना, एक भूतल और पांच ऊपरी मंजिलें हैं। मौके पर मौजूद लोगों से पूछताछ करने पर हमें पता चला है कि यह इमारत एक स्वतंत्र आवासीय परिसर के रूप में काम नहीं करती है। बल्कि, ऐसा लगता है कि ज्यादातर निवासी वे लोग थे जिनके परिचितों का इलाज सड़क के ठीक सामने स्थित मैक्स अस्पताल में चल रहा था। इसलिए, यह संभव है कि ये लोग इसी उद्देश्य से यहां रह रहे थे... जी हां, निवासियों में विदेशी नागरिक भी शामिल थे... आग पर बहुत जल्दी काबू पा लिया गया। हमने अब इमारत को खाली करा लिया है और पुलिस के लिए खोल दिया है।

नई रेल लाइन के लिए छत्तीसगढ़ के 16 गांवों से ली जाएगी जमीन

प्रशासन ने 30 दिन का दिया समय

रायपुर, 3 जून (हाईवे चैनल)। नवा रायपुर को नई रेल कनेक्टिविटी देने और प्रस्तावित रेलवे इंडस्ट्रियल कॉरिडोर को गति प्रदान करने के लिए अभनपुर क्षेत्र के 16 गांवों की करीब 518 एकड़ जमीन अधिग्रहित की जाएगी। जिला प्रशासन ने भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू करते हुए प्रभावित किसानों और भू-स्वामियों से 30 दिनों के भीतर दावा-आपत्ति प्रस्तुत करने को कहा है। इससे पहले मंदिर हसौद क्षेत्र में अधिग्रहण की कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू की गई थी और अब परियोजना का दायरा अभनपुर तक पहुंच गया है। रेलवे अधिकारियों के मुताबिक, मल्टी ट्रैकिंग परियोजना के अंतर्गत प्रस्तावित 248 किलोमीटर लंबा रेल प्रोजेक्ट न केवल नवा रायपुर को नई रेल सुविधा से जोड़ेगा, बल्कि औद्योगिक गतिविधियों को भी नई गति देगा। यह कॉरिडोर छत्तीसगढ़ को ओडिशा से बेहतर रेल संपर्क प्रदान करेगा, जिससे माल परिवहन, औद्योगिक निवेश और व्यापारिक गतिविधियों को बड़ा लाभ मिलने की उम्मीद है।

16 गांवों के 518 एकड़ एरिया से गुजरेगी नई रेललाइन- अधिग्रहण की जद में अभनपुर क्षेत्र के पलौद, गिरोला, परसदा, खट्टी, अभनपुर, उरला, सारखी, कोलर, खोरपा, ढोंढरा, बेलभाठा, तर्रा, जामगांव, नवागांव, थनौद और खरखराडीह सहित 16 गांव आएंगे। परियोजना को क्षेत्र के आर्थिक विकास और औद्योगिक विस्तार की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है, हालांकि जमीन अधिग्रहण को लेकर किसानों और ग्रामीणों की नजरें अब प्रशासनिक प्रक्रिया पर टिकी है।

प्रधानमंत्री ने बीते वर्ष योजना को दी थी मंजूरी- इस परियोजना को केंद्र सरकार ने भी प्राथमिकता में रखा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अप्रैल 2025 में देश की चार मल्टी ट्रैकिंग रेलवे परियोजनाओं को मंजूरी दी थी, जिसमें यह प्रोजेक्ट भी शामिल है। रेलवे अधिकारियों का मानना है कि लाइन शुरू होने के बाद रायपुर और आसपास के औद्योगिक क्षेत्रों के लिए माल परिवहन का नया विकल्प तैयार होगा। नई रेल लाइन का सीधा फायदा बलौदाबाजार और उससे जुड़े औद्योगिक क्षेत्रों को भी मिलेगा। इससे सीमेंट संयंत्रों, इस्पात इकाइयों और अन्य औद्योगिक निवेश को मजबूत आधारभूत संरचना मिलेगी।

अभनपुर का कुल क्षेत्रफल - 145.78 हेक्टेयर
गोबरानवापारा कुल क्षेत्रफल - 64.65 हेक्टेयर
संपूर्ण क्षेत्रफल - 210.43 हेक्टेयर

योजना के बारे में

योजना का नाम- मल्टी ट्रैकिंग परियोजना
कनेक्टिविटी- छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, ओडिशा
जिले व दूरी- 15 जिलों को मिलाकर 1247 किमी.
कुल लागत-18,658 करोड़
छत्तीसगढ़ की सीमा की लंबाई- 248 किमी.
डीजल की बचत- 22 करोड़ रुपए
इन जिलों को मिलेगा लाभ-रायगढ़, जांजगीर-चांपा, सक्ती, बिलासपुर, बलौदा बाज़ार, रायपुर, दुर्ग और राजनांदगांव।

ब्रेकिंग न्यूज

कोलकाता के कॉलेज में मिले दीमक लगे नोटों के बंडल, 1 करोड़ से अधिक होने का अनुमान

नई दिल्ली, 3 जून (न्यूज चैनल)। पश्चिम बंगाल के सेंट्रल कोलकाता स्थित सुरेंद्रनाथ कॉलेज से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। मानसून की शुरुआत से पहले कॉलेज में चल रहे एक सफाई अभियान के दौरान मंगलवार को छात्र संघ (यूनियन) के कमरे से दो सूटकेस बरामद हुए, जिसमें दीमक लगे नोटों के ढेर सारे बंडल भरे हुए थे। इस बरामदगी के बाद से इलाके में हड़कंप मच गया है और इस पर राजनीतिक विवाद भी शुरू हो गया है। बरामद किए गए कैश में ज्यादातर 100 रुपये और 500 रुपये के नोट शामिल हैं, जो बेहद खराब स्थिति में हैं। कुछ दावों के मुताबिक, यह रकम 1 करोड़ रुपये से अधिक हो सकती है, जिससे अब यह बड़ा सवाल खड़ा हो गया है कि इतनी बड़ी रकम कॉलेज परिसर के भीतर किसने और क्यों छिपाकर रखी थी। शैक्षणिक संस्थानों को बारिश का मौसम शुरू होने से पहले अपना कैंपस साफ करने के निर्देश दिए गए थे। इसी सफाई अभियान के दौरान जब कर्मचारी यूनियन रूम में दाखिल हुए, तो उन्हें वहां रखी एक अलमारी के अंदर दो पुराने सूटकेस मिले। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस की एक टीम तुरंत मौके पर पहुंची और सूटकेस के साथ-साथ वहां से मिले कुछ दस्तावेजों को अपने कब्जे में ले लिया।

अहमदाबाद में 290 संदिग्ध बांग्लादेशी हिरासत में, 131 गिरफ्तार

नई दिल्ली, 3 जून (न्यूज चैनल)। अहमदाबाद पुलिस और क्राइम ब्रांच ने बुधवार को चंदोला, गुलाबनगर और खोडियारनगर समेत अहमदाबाद के विभिन्न इलाकों में कथित अवैध बांग्लादेशियों के खिलाफ संयुक्त अभियान चलाया। क्राइम ब्रांच के संयुक्त पुलिस प्रमुख शरद सिंघल के अनुसार कि अहमदाबाद पुलिस और क्राइम ब्रांच ने चंदोला, गुलाबनगर और खोडियारनगर समेत अहमदाबाद के विभिन्न इलाकों में संदिग्ध अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों को निशाना बनाते हुए देर रात एक बड़ा तलाशी अभियान चलाया। संयुक्त पुलिस अधिकारी (जेसीपी क्राइम ब्रांच) सिंघल के अनुसार, कुल 290 संदिग्धों को पुलिस हिरासत में लिया गया है और क्राइम ब्रांच उनसे पूछताछ कर रही है। इनमें से 131 लोगों को विभिन्न स्थानों से गिरफ्तार किया गया है, जबकि 160 संदिग्धों से गहन पूछताछ जारी है। संयुक्त पुलिस अधिकारी ने बताया कि 290 से अधिक संदिग्धों को पुलिस हिरासत में लिया गया है।

राहुल गांधी से मिले अमितेश शुक्ल, संगठन के विषयों पर चर्चा

रायपुर, 3 जून (हाईवे चैनल)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री अमितेश शुक्ल ने राहुल गांधी से मुलाकात की है. दिल्ली में कल देर शाम हुई इस मुलाकात ने छत्तीसगढ़ की राजनीतिक फिजा को गर्म कर दिया है. पूर्व मंत्री शुक्ल ने राहुल गाँधी ऐसे समय में मुलाकात की है, जब छत्तीसगढ़ कांग्रेस संगठन में उठापठक की सियासी हलचल खूब है। चर्चा ये भी है कि पीसीसी में जल्द ही कार्यकारी अध्यक्षों की नियुक्ति हो सकती है। इन सबके बीच अमितेश शुक्ल ने राहुल गांधी से मुलाकात कर कई तरह की सियासी चर्चाओं को बल दे दिया है. एक चर्चा अमितेश शुक्ल की उस इच्छा की भी, जिसमें वे कार्यकारी अध्यक्ष बनने की जाहिर कर चुके हैं अमितेश शुक्ल ने कहा कि गांधी परिवार से शुक्ल परिवार का बहुत पुराना रिश्ता है. हमारा पारिवारिक सम्बंध है. लंबे समय मुलाकात नहीं हो पाई थी. इसलिए मिलने चला गया था. कोई विशेष विषयों पर नहीं लेकिन राज्य के विभिन्न विषयों चर्चा हुई है. संगठन के मुद्दों पर भी बात हुई है. मेरे पास जो जानकारी थी उसे मैंने साझा किया है. वहीं उन्होंने यह भी कहा कि अगर हाईकमान की ओर से कोई जिम्मेदारी दी जाती है तो उसके वे तैयार हैं.

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में किसानों को समय पर खाद उपलब्ध कराने के लिए सरकार सतर्क

प्रदेश में उर्वरकों का पर्याप्त भंडारण वितरण व्यवस्था पर सतत निगरानी

रायपुर, 3 जून (हाईवे चैनल)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रदेश के किसानों को समय पर खाद एवं कृषि आदान उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। आगामी खरीफ सीजन को ध्यान में रखते हुए कृषि विभाग, सहकारिता विभाग, मार्कफेड तथा जिला प्रशासन के समन्वय से पूरे प्रदेश में उर्वरकों की उपलब्धता और वितरण व्यवस्था पर लगातार निगरानी रखी जा रही है।

राज्य सरकार ने वैश्विक परिस्थितियों के कारण रासायनिक उर्वरकों की आपूर्ति प्रभावित होने की संभावनाओं को देखते हुए अग्रिम तैयारी की है। उर्वरकों के पर्याप्त भंडारण, समयबद्ध परिवहन और किसानों तक सुगम वितरण सुनिश्चित करने के लिए सभी जिलों के कलेक्टरों, कृषि अधिकारियों, सहकारिता विभाग तथा मार्कफेड को विशेष निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही उर्वरकों की कालाबाजारी, जमाखोरी और अनियमित वितरण पर रोक लगाने के लिए सतत निगरानी की जा रही है। कृषि विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रदेश के विभिन्न जिलों में उर्वरकों का पर्याप्त भंडारण उपलब्ध है। पश्चिम एशिया में तनाव के कारण आयातित उर्वरकों की आपूर्ति प्रभावित होने की आशंका को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार उर्वरक आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए व्यापक रणनीति तैयार कर रही है। वर्तमान में राज्य में 9.29 लाख मीट्रिक टन विभिन्न प्रकार के रासायनिक खाद का स्टॉक गोदामों और सोसायटियों में उपलब्ध है। जबकि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रयास से केन्द्र सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ को इस खरीफ सीजन के लिए 15.55 लाख मीट्रिक टन उर्वरक का लक्ष्य आबंटित हुआ हजिसमें यूरिया 7.25 लाख, डीएपी 3 लाख, एमओपी 80 हजार, एनपीके 2.5 लाख तथा एसएसपी 2 लाख मीट्रिक टन शामिल हैं। वर्तमान में प्रदेश के गोदामों एवं समितियों में लगभग 9.29 लाख मीट्रिक टन खाद उपलब्ध है।

छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ पूर्व आईएएस अधिकारी बीकेएस रे का निधन

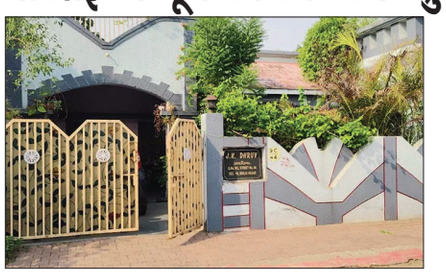

रायपुर, 3 जून (हाईवे चैनल)। छत्तीसगढ़ की प्रशासनिक दुनिया के वरिष्ठ और सम्मानित चेहरों में शामिल रहे रिटायर्ड आईएएस अधिकारी बीकेएस रे का निधन हो गया। वे लंबे समय से अस्वस्थ चल रहे थे और उनका उपचार रायपुर एम्स में चल रहा था। उपचार के दौरान उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन की खबर से प्रशासनिक, शैक्षणिक और सामाजिक क्षेत्रों में शोक की लहर है।

बी.के.एस. रे छत्तीसगढ़ के उन चुनिंदा वरिष्ठ नौकरशाहों में शामिल थे जिन्होंने राज्य गठन के शुरुआती वर्षों में प्रशासनिक ढांचे को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वे भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के 1972 बैच के अधिकारी थे और अपने लंबे प्रशासनिक अनुभव, स्पष्ट सोच तथा सुशासन संबंधी दृष्टिकोण के लिए जाने जाते थे। अपने प्रशासनिक जीवन में उन्होंने गृह, परिवहन और विमानन जैसे महत्वपूर्ण विभागों में जिम्मेदारियां संभालीं। बाद में वे प्रशासन अकादमी के महानिदेशक तथा माध्यमिक शिक्षा मंडल और व्यावसायिक परीक्षा मंडल के अध्यक्ष भी रहे। शासन और प्रशासन से जुड़े कई महत्वपूर्ण निर्णयों तथा नीतिगत प्रक्रियाओं में उनकी सक्रिय भूमिका रही। बी.के.एस. रे को एक अध्ययनशील अधिकारी के रूप में भी जाना जाता था। सेवानिवृत्ति के बाद भी वे सार्वजनिक जीवन में सक्रिय रहे। प्रशासन, शिक्षा, सुशासन और सार्वजनिक नीति जैसे विषयों पर उनके लेख और व्याख्यान लगातार चर्चा में रहते थे। उनके बारे में उपलब्ध सार्वजनिक जानकारी के अनुसार उन्होंने कई पुस्तकों का लेखन भी किया और विभिन्न विषयों पर नियमित रूप से लेख लिखते रहे। प्रशासनिक सेवा से जुड़े अधिकारियों का मानना है कि रे उन अधिकारियों में थे जिन्होंने शासन व्यवस्था को केवल सरकारी कामकाज तक सीमित नहीं रखा, बल्कि संस्थागत विकास और प्रशासनिक क्षमता निर्माण पर भी विशेष ध्यान दिया।

सीजी पीएससी घोटाले में सीबीआई ने पूर्व सचिव जेके ध्रुव के आवास पर मारा छापा

रायपुर, 3 जून (हाईवे चैनल)। सीजी पीएससी भर्ती घोटाले की जांच तेज करते हुए सीबीआई ने बुधवार को पूर्व सचिव जेके ध्रुव के भिलाई सेक्टर-10 स्थित निवास पर छापा मारा। एजेंसी की टीम सुबह से दस्तावेज खंगाल रही है।

2020-2022 की भर्ती प्रक्रिया निशाने पर- आरोप है कि 2020 से 2022 के बीच हुई भर्ती परीक्षाओं में चयन प्रक्रिया को प्रभावित किया गया। कुछ चुनिंदा अभ्यर्थियों को अनुचित लाभ पहुंचाया गया।

बेटे समेत रिश्तेदारों को लाभ पहुंचाने का आरोप- जांच एजेंसी के मुताबिक तत्कालीन सचिव जीवन किशोर ध्रुव ने पद का दुरुपयोग किया। अपने बेटे सुमित ध्रुव के अलावा आयोग से जुड़े अफसरों और प्रभावशाली लोगों के रिश्तेदारों को फायदा पहुंचाने में भूमिका निभाई।

राज्य सरकार के अनुरोध पर सीबीआई को जांच- छत्तीसगढ़ सरकार के आग्रह पर यह केस सीबीआई को सौंपा गया था। जांच के दौरान ध्रुव समेत कई आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। सीबीआई कोर्ट में पूरक आरोपपत्र भी दाखिल कर चुकी है। आरोपपत्र में मिलीभगत, अनियमितता और चयन प्रक्रिया में दखल के आरोप हैं।

मुख्य आरोपी अभी भी जेल में- इस मामले के ज्यादातर आरोपियों को जमानत मिल चुकी है। लेकिन इस केस के मुख्य आरोपी टामन सिंह सोनवानी अभी जेल में हैं। घोटाला प्रदेश के सबसे चर्चित मामलों में से एक है। इसमें कई चयनित अफसरों, उनके परिजनों और तत्कालीन पदाधिकारियों की भूमिका की जांच चल रही है।

मध्यप्रदेश के राजकीय पक्षी दूधराज का जोड़ा उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व में बना रही घोसला

धमतरी, 3 जून (हाईवे चैनल)। मध्यप्रदेश के राजकीय पक्षी दूधराज (इंडियन पैराडाइज़ फ्लाईकैचर) के उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व के विभिन्न वन क्षेत्रों में लगातार दर्शन हो रहे है। वर्तमान में यह जोड़ा घोसले का निर्माण कर रही है। यूएसटीआर में पहले भी उड़न गिलहरी, बड़ी गिलहरी, सुनहरा कछुआ, मालाबार पीड हार्नबिल जैसे कई दुर्लभ वन्य जीव मिल चुके है। यह रिजर्व क्षेत्र की समृद्ध जैव विविधता एवं स्वस्थ वन पारिस्थितिकी तंत्र का एक सकारात्मक संकेत है। अपनी अद्भुत सुंदरता, लंबी पूँछ और आकर्षक उड़ान के लिए प्रसिद्ध यह पक्षी अब रिजर्व के वनों, नदी तटीय क्षेत्रों एवं वृक्षाच्छादित आवासों में नियमित रूप से देखा जा रहा है।

दूधराज भारत के सबसे सुंदर पक्षियों में से एक माना जाता है। वयस्क नर पक्षी अपने चमकदार सफेद शरीर और अत्यंत लंबी रेशमी पूँछ के कारण आसानी से पहचाना जाता है, जबकि मादा एवं युवा पक्षियों का रंग लाल-भूरा (रुफस) होता है। इसकी मनमोहक उड़ान और मधुर स्वर प्रकृति प्रेमियों एवं पक्षी पर्यवेक्षकों को विशेष रूप से आकर्षित करते हैं।

उदंती-सीतानदी में आवास- दूधराज मुख्यतः नम पर्णपाती वनों, मिश्रित वनों, बाँस क्षेत्रों, नदी-नालों के किनारे स्थित हरित पट्टियों तथा घने वृक्षावरण वाले क्षेत्रों में निवास करता है। उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व में उपलब्ध विविध वन आवास इस पक्षी के भोजन, प्रजनन एवं घोंसला निर्माण के लिए आदर्श परिस्थितियाँ प्रदान करते हैं। जलस्त्रोतों, वन मार्गों, वन ग्रामों के आसपास तथा घने वृक्षों वाले क्षेत्रों में देखा जाता है। इसकी नियमित उपस्थिति इस बात का प्रमाण है कि रिजर्व के वन क्षेत्र अभी भी उच्च गुणवत्ता वाले प्राकृतिक आवास उपलब्ध करा रहे हैं।

कीट आबादी के नियंत्रण में निभाते है महत्वपूर्ण भूमिका - दूधराज एक महत्वपूर्ण कीटभक्षी पक्षी है। यह मुख्य रूप से मक्खियों, पतंगों, भृंगों, दीमकों तथा अन्य उड़ने वाले कीटों का भोजन करता है। इस प्रकार यह प्राकृतिक रूप से कीटों की संख्या को नियंत्रित कर वन पारिस्थितिकी तंत्र में संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कीट आबादी के नियंत्रण से वनस्पतियों को लाभ मिलता है तथा संभावित कीट प्रकोप की संभावना कम होती है। इसके अतिरिक्त, यह पक्षी स्वस्थ वन पारिस्थितिकी तंत्र का एक जैव-संकेतक भी माना जाता है। किसी क्षेत्र में दूधराज की उपस्थिति उस क्षेत्र के पर्यावरणीय स्वास्थ्य और वन गुणवत्ता को दर्शाती है।

■ यूएसटीआर में पहले भी मिल चुके है उड़न गिलहरी, बड़ी गिलहरी, सुनहरा कछुआ, मालाबार पीड हार्नबिल जैसे कई दुर्लभ वन्य जीव

रोचक व्यवहार- दूधराज अपनी अद्भुत शिकार शैली के लिए प्रसिद्ध है। यह किसी शाखा पर शांत बैठकर आसपास की गतिविधियों पर नजर रखता है और जैसे ही कोई उड़ता हुआ कीट दिखाई देता है, तुरंत हवा में उड़ान भरकर उसे पकड़ लेता है। शिकार करने के बाद यह पुनः उसी शाखा पर लौट आता है। प्रजनन काल के दौरान नर एवं मादा दोनों मिलकर घोंसला बनाते हैं तथा बच्चों की देखभाल करते हैं। इनका घोंसला घास, वृक्षों की छाल के रेशों, मकड़ी के जालों एवं अन्य प्राकृतिक सामग्रियों से बना एक सुंदर कपनुमा ढाँचा होता है, जिसे पतली शाखाओं पर बनाया जाता है। लंबी पूँछ वाले नर पक्षी प्रजनन काल में आकर्षक हवाई प्रदर्शन करते हैं, जो इनके प्रणय व्यवहार का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता है।

संरक्षण का महत्व- उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व में दूधराज के लगातार बढ़ते अवलोकन यह दर्शाते हैं कि वन संरक्षण, नदी तटीय आवासों की सुरक्षा तथा क्षतिग्रस्त वनों के पुनर्स्थापन के प्रयास सकारात्मक परिणाम दे रहे हैं। स्वस्थ एवं संरक्षित वन क्षेत्र न केवल बाघ, तेंदुआ एवं अन्य बड़े वन्यजीवों के लिए महत्वपूर्ण हैं, बल्कि पक्षियों, कीटों और छोटे जीवों के संरक्षण में भी समान रूप से योगदान देते हैं। दूधराज की नियमित उपस्थिति यह प्रमाणित करती है कि उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व मध्य भारत के महत्वपूर्ण जैव विविधता केंद्रों में से एक के रूप में उभर रहा है।

चूहा- सुनती हो, अमितेष शुक्ल दिल्ली में राहुल गांधी से मुलाकात कर लिए..!
चुहिया- हां जी, प्रदेश में नए कांग्रेस अध्यक्ष बनाने की चर्चा जोरों पर है न..!

CMYK